2/EH–7 (ii) (Syllabus–2015)

2021

(July)

HINDI

(Elective/Honours)

(Hindi Gadya-Sahitya)

(HIN–EL–2)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) भला, वह कौन है जिसको जीवन से विरक्ति हो! परंतु 'बहुजनहिताय बहुजनसुखाय लोकानुकम्पाय...' किसी सज्जन के मुँह से मैंने यह पद कभी सुना था। जीने के लिए जीना, जीना नहीं है, परोपकार के लिए जीना ही जीना है।

(ख) इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रहकर काटा था। उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। इसी आशा के सहारे वह अपने अभाव का बोझ ढो रहे थे।

(ग) कप्तान भाई को हैरत हुई और हल्की खुशी भी कि एकाएक काफी रुपये मिल गए। लेकिन इस बात से उसे दुःख और पराजय का भान भी हुआ। उसने अपने को छोटा महसूस किया। दो वर्ष तक बहन के लिए उसने जो थोड़ा-बहुत किया, वह सब एक पल में घटकर नगण्य हो गया।

(घ) टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें; टके के वास्ते झूठी गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानें, टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावें। वेद धर्म कुल-मरजादा सचाई-बड़ाई सब टके सेर।

(ङ) आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है।

2. औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'बाबा बटेसरनाथ' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास के कथानक पर प्रकाश डालिए।

3. 'पत्नी' कहानी के आधार पर सुनंदा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

'जयदोल' कहानी की मूल संवेदना को आरेखित कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक में निहित उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

वर्तमान संदर्भ में 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

5. 'दाँत' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'क्रोध' निबंध में अभिव्यक्त लेखक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

★ ★ ★